Paper - core-12

1. निम्नलिखित में से सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) भारतीय काव्यशास्त्रीय परंपरा का सूत्रपात किस ग्रंथ से हुआ है?

(ख) रस सिद्धांत के जनक कौन हैं?

(ग) आचार्य विश्वनाथ के काव्य लक्षण संबंधी विचार क्या है?

(घ)" रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम् "- उक्ति किस आचार्य की है?

(ङ) व्यभिचारी - भावों की संख्या कितनी है?

(च) रीति को काव्य की आत्मा किस आचार्य ने माना है?

(छ)'रति' किसका स्थायी भाव है।

(ज) वीभत्स रस का स्थायी भाव क्या है?

(झ)'कनक कनक ते सौ गुनी' में कौन सा अलंकार है?

(ञ) श्रृंगार रस के प्रकार लिखिए।

(ट) आचार्य मम्मट के काव्यशास्त्र संबंधी पुस्तक का नाम लिखिए।

(ठ) कबीर की साखी किस छंद में लिखी गई है?

(ड) उत्पत्तिवाद या आरोपवाद किस आचार्य के मत को कहा जाता है?

(ढ) आचार्य शंकुक के मत को किस नाम से जाना जाता है?

(ण) रस को व्यंजना व्यापार किसने कहा है?

(त) प्रीति के लिए वृत्ति शब्द का प्रयोग किस आचार्य ने किया है?

(थ) रस सूत्र में किन दो शब्दों की व्याख्या अपेक्षित रही है?

(द) किस शब्द शक्ति में अर्थ ध्वनित होता है?

(ध) काव्य गुणों की संख्या कितनी है?

(न) अभिनव गुप्त का अभिव्यक्तिवाद किस दर्शन पर आधारित है

2.निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर दो से तीन वाक्यों में दें।

(क) व्यंजना शब्द शक्ति क्या है? उदाहरण सहित बताइए।

(ख) आलंबन विभाव क्या है?

(ग) अर्थालंकार का परिचय दीजिए?

(घ) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण दीजिए।

(ङ) दोहा और सोरठा में क्या अंतर है?

(च) आचार्य वामन के रीति संबंधी परिभाषा को लिखते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(छ) "हृदय की मुक्तावस्था के लिए किया हुआ शब्द -विधान काव्य है।"किसने और क्यों कहा है?

(ज) काव्य के किसी दो प्रयोजनों का परिचय दीजिए।

(झ) शब्द- शक्ति से क्या तात्पर्य है?

(ञ) रीति के भेद्र बताइए।

(ट) हास्य रस के मुख्यतः कितने भेद हैं क्या-क्या हैं?

(ठ) श्रृंगार रस को कितने भेद किए गए हैं और क्या-क्या है?

(ड) अर्थ अलंकार किसे कहते हैं?

(ढ) शब्दालंकार किसे कहते हैं?

(ण) अलंकार के कितने भेद हैं और क्या-क्या हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दें।

(क) भरत मुनि द्वारा प्रस्तुत रस सूत्र की व्याख्या कीजिए?

(ख) रस के विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
(ग) अलंकार के कितने भेद हैं उदाहरण सहित समझाइए।
(घ) रस के अंगों पर प्रकाश डालिए।
(ङ) भारतीय विद्वानों द्वारा प्रस्तुत काव्य प्रयोजन की परिभाषा पर प्रकाश डालिए।
(च) रीति के भेद पर आचार्य कुंतक के विचारों पर प्रकाश डालिए।
(छ) आचार्य मम्मट द्वारा प्रस्तुत काव्य प्रयोजन पर प्रकाश डालें।
(ज)'यमक' अलंकार का परिचय उदाहरण सहित दीजिए।
(झ) 'कुंडलियां' छंद का लक्षण लिखिए?
(ञ) 'विभाव' और 'अनुभव' को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर विस्तार से चर्चा कीजिए |

(क) हिंदी तथा पाश्चात्य आचार्यों द्वारा दिए गए काव्य लक्षणों पर प्रकाश डालिए।
(ख) काव्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
(ग) काव्य प्रयोजन का तात्पर्य समझाते हुए, इसके संबंध में विभिन्न आचार्यों के मतों पर प्रकाश डालिए।
(घ)शब्दशक्ति को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
(ङ) 'रस निष्पत्ति 'को स्पष्ट कीजिए।
(च)उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा एंव वक्रोक्ति अलंकार का परिचय देते हुए उसके लक्षण उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।
(छ) अलंकार किसे कहते हैं परिभाषा देते हुए विस्तार से चर्चा कीजिए |
(ज) साधारणीकरण क्या है उनके सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए |
(झ) रस और उनके स्थायी भावोपर चर्चा कीजिए |
(ञ) शब्द शक्तियां और ध्वनि का स्वरूप पर चर्चा कीजिए |